[This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.	

ASME-24BC-PHIL-I

PHILOSOPHY (PAPER-I)

दर्शनशास्त्र (पेपर-I)

Time Allowed : 3 Hours [Maximum Marks : 100
निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS
प्रश्न पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.
उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें।

1. There are EIGHT questions printed in both. English and Hindi.
इसमें आठ प्रश्न हैं जो अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में छपे है।
2. Candidate has to attempt FIVE questions in all either in English or Hindi.
उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में देने हैं।
3. Question No. 1 is compulsory. Out of remaining seven questions, FOUR are to be attempted.
प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। शेष सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. All questions carry equal marks. The number of marks carried by a question/ part are indicated against it.
सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए है।
5. Write answers in legible handwriting. Illustrate your answers with suitable sketches and diagrams, wherever considered necessary.
सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखिए। जहां भी आवश्यक समझा जाए, वहाँ अपने उत्तरों को उपयुक्त रेखाचित्रों और आरेखों के साथ स्पष्ट कीजिए।
6. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
प्रश्न के भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
7. Attempts of the questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रुप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। खाली छोड़ें गए कोई भी पृष्ट अथवा पृष्ठ के भाग को पर्णतः काट दीजिए।
8. Re-evaluation/ re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

1. Write short notes on the following: 5x4=20

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:

(a) Śaṅkara's criticism of Sāṁkhya's notion of Puruṣa
शंकर द्वारा सांख्य की पुरुष संबंधी अवधारणा की आलोचना।

(b) Jaina's notion of Saṃvara and Nirjara.
जैनों की संवर तथा निर्जर की अवधारणा।

(c) Kierkegaard's notion of Subjectivity as truth.
कीर्केगार्द द्वारा व्यक्तिपरकता की सत्य के रूप में अवधारणा।

(d) Moore's refutation of idealism.
मूर का प्रत्ययवाद का खंडन।

(e) Difference between *a priori* and *a posteriori* judgements according to Kant.
कांट के अनुसार प्रागनुभविक तथा अनुभवसापेक्ष निर्णयों के बीच अंतर।

2. Bring out the main points of differences between Nyāya and Buddhist view regarding Anumāna as the source of knowledge (*pramāṇa*) with special emphasis upon the nature of Vyāpti. 20

विशेष रूप से व्याप्ति की प्रकृति पर बल देते हुए प्रमाण के रूप में अनुमान से संबन्धित न्याय तथा बौद्धों के दृष्टिकोण के मध्य मुख्य मतभेदों को उजागर करें।

3. How does Hume's problematize the notion of personal identity and causation? How are these issues addressed later in Kant's philosophy? Critically discuss. 20

हयूम किस प्रकार वैयक्तिक तदात्मय तथा कारणता की अवधारणाओं का किस प्रकार समस्यायीकरण करते हैं? तदुपरान्त काँट के दर्शन में किस प्रकार इन समस्याओं पर विचार किया गया है? समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

4. Present a detailed account of the main points of difference between Nyāya view of induction and deduction and its western counterpart. 20

आगमन और निगमन के न्याय दृष्टिकोण और इसके पाश्चात्य समकक्ष के बीच अंतर के मुख्य बिंदुओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करें।

5. Discuss the notion of substance as propounded by Descartes, Spinoza and Leibniz. Which one of these do you find philosophically most sound? Give reasons and justifications for your answer. 20

डेकार्ट, स्पिनोज़ा और लायब्निज़ द्वारा प्रतिपादित पदार्थ की अवधारणा की विवेचना कीजिये। इनमें से कौन सी अवधारणा आपको दार्शनिक रूप से सबसे अधिक मजबूत लगती है? अपने उत्तर के लिए तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिये।

6. What arguments does Aristotle offer to reject the abstract Platonic notion of form and to prove that every sensible object consists of both matter and form, neither of which can exist without the other? Critically discuss. 20

आकार की अमूर्त प्लेटो-प्रदत्त अवधारणा को अस्वीकार करने के लिए तथा यह सिद्ध करने के लिए कि प्रत्येक संवेद्य वस्तु पदार्थ और आकार दोनों से बनी होती है, जिनमें से कोई भी दूसरे के बिना अस्तित्व में नहीं रह सकता, अरस्तू क्या तर्क देते हैं? समालोचनात्मक विवेचना कीजिये ।

7. Present a detailed account of Radhakrishnan's view of intellect and intuition along with your own comments. 20

बुद्धि और अंतर्ज्ञान के विषय में राधाकृष्णन के दृष्टिकोण का अपनी टिप्पणियों सहित विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिये।

8. Compare and contrast the views of Naiyāyikas, Bhaṭṭas and Prabhākaras on the nature of non-being and its knowledge. Which one of these views do you find most convincing? Give reasons and justifications for your answer. 20

अभाव के स्वरूप तथा उसके ज्ञान के विषय में नैयायिकों, भाट्ट तथा प्राभाकरों के मतों के बीच तुलना तथा विभेद कीजिये । इनमें से कौन सा मत आपको सबसे अधिक विश्वसनीय लगता है? अपने उत्तर के लिए तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिये ।